



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

16.2.98
30/3/98

सं० 111]

नई दिल्ली, शुक्रवार, फरवरी 20, 1998/ फाल्गुन 1, 1919

No. 111]

NEW DELHI, FRIDAY, FEBRUARY 20, 1998/ PHALGUNA 1, 1919

गृह मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 19 फरवरी, 1998

का. आ. 139(अ).—केन्द्रीय सरकार, जिसने कनाडा की सरकार से भारत के न्यायालयों में आपराधिक मामलों के संबंध में कनाडा में निवास करने वाले साक्षियों का साक्ष्य लेने के लिए व्यवस्था कर रखी है, दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का 2) की धारा 285 की उपधारा (3) के अनुसरण में और भारत सरकार के गृह मंत्रालय की अधिसूचना सं. का. नि. आ. सं. 1017, तारीख 5 मई, 1955 को उन बातों के सिवाए अधिक्रांत करते हुए जिन्हें ऐसे अधिक्रमण से पहले किया गया है या करने का लोप किया गया है, निदेश देती है कि (क) कनाडा में साक्षियों की परीक्षा के लिए कमीशन इससे उपाबद्ध प्ररूप में भारत के न्यायालयों द्वारा कनाडा के किसी सक्षम दंड न्यायालय को, जिसे कनाडा में प्रवृत्त विधि के अधीन प्राधिकार प्राप्त है, जारी किया जाएगा; (ख) ऐसा कमीशन कनाडा में केन्द्रीय प्राधिकारी को भेजे जाने के लिए गृह मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली को भेजा जाएगा।

न्यायालय

भारत से बाहर साक्षियों के लिए कमीशन

दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 की धारा 285(3) देखिए

प्रेषिती :—

गृह मंत्रालय

भारत सरकार, नई दिल्ली के माध्यम से

मुझे यह प्रतीत होता है कि न्याय के उद्देश्यों के लिए मामला संख्या बनाम न्यायालय में का साक्ष्य आवश्यक है और ऐसा साक्षी आपकी क्षेत्राधिकार की स्थानीय सीमा के भीतर निवास कर रहा है और उसकी हाजिरी अनुचित विलंब, न्याया असुविधा के बिना नहीं करवाई जा सकती है मैं आपसे अनुरोध करता हूं कि आप उपरोक्त कारणों से और उक्त न्यायालय की सहायता के लिए उक्त साक्षी को समय और स्थान पर, जो आप नियत करें, हाजिर होने के लिए समन कर और ऐसे साक्षी की परीक्षा उन परिप्रश्नों (मौखिक परीक्षा के लिए) के आधार पर करवाए जो इस कमीशन के साथ भेजे जा रहे हैं।

कार्यवाही का कोई पक्षकार आपके समक्ष उसके काउंसिल या अभिकर्ता द्वारा या यदि अभिरक्षा में नहीं है, तो स्वयं हाजिर हो सकेगा और (यथास्थिति) उक्त साक्षी की परीक्षा, प्रतिपरीक्षा, या पुनः परीक्षा कर सकेगा।

और मैं आपसे यह भी अनुरोध करता हूँ कि आप उक्त साक्षी के उच्च लिखवाएँ और सभी बहियों, पत्रों, कागजों और दस्तावेज को, जो ऐसी परीक्षा के दौरान पेश किए जाएं, पहचान के लिए सम्यक् रूप से चिह्नित कराएँ और आपसे यह भी अनुरोध करता हूँ कि आप ऐसी परीक्षा को अपनी सरकारी सील (यदि कोई हो) और अपने हस्ताक्षर द्वारा अधिप्रमाणित करें और उसे इस कमीशन के साथ अधोहस्ताक्षरी को गृह मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली के माध्यम से भेजें।

तारीख.....199

मेरे हस्ताक्षर और

न्यायालय की मुद्राधीन प्रदत्त।

न्यायाधीश/मजिस्ट्रेट

[फा. सं. 2/1/98- जुडि सैल]

पी. के. अग्रवाल, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF HOME AFFAIRS NOTIFICATION

New Delhi, the 19th February, 1998

S. O. 139(E).—Whereas arrangements have been made by the Central Government with the Government of Canada for taking the evidence of witnesses residing in Canada in relation to criminal matters in Courts in India, the Central Government in pursuance of sub-section (3) of Section 285 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (2 of 1974) and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Home Affairs S.R.O. No. 1017 dated the 5th May, 1955, except as respects things done or omitted to be done before such supersession, hereby directs that (a) Commission for examination of witnesses in Canada shall be issued by the Courts in India in the form annexed hereto, to any competent Criminal Court of Canada having authority under the law in force in Canada; (b) such Commission shall be sent to the Ministry of Home Affairs, Government of India, New Delhi, for transmission to the Central Authority in Canada.

IN THE COURT OF.....Commission to examine witness outside India [Section 285(3) of the Code of Criminal Procedure, 1973].

To

.....
Through the Ministry of Home Affairs,
Government of India,
New Delhi.

Whereas it appears to me that the evidence of is necessary for the ends of justice in case No. vs. in the Court of and that such witness is residing within the local limits of your jurisdiction and his attendance cannot be procured without unreasonable delay, expense of inconvenience, I,, have the honour to request and do hereby request that for the reasons aforesaid and for the assistance of the said Court, you will be pleased to summon the said witness to attend at such time and place as you shall appoint and that you will cause such witness to be examined upon the interrogatories which accompany this Commission (for viva voce).

Any party to the proceeding may appear before you by his counsel or agent or, if not in custody, in person, and may examine, cross-examine or re-examine (as the case may be) the said witness.

And I further have the honour to request that you will be pleased to cause the answers of the said witness to be reduced into writing and all books, letters, papers and documents produced upon such examination to be duly marked for identification and that you will be further pleased to authenticate such examination by your official seal (if any) and by your signature and to return the same together with this Commission to the undersigned through the Ministry of Home Affairs, Government of India, New Delhi.

Given under my hand and the seal of the Court

this.....day of.....199

SEAL OF THE COURT JUDGE/MAGISTRATE

[F. No. 2/1/98-Judl. Cell]
P.K. AGRAWAL, Jt. Secy.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 19 फरवरी, 1998

का. आ. 140 (अ) :— केन्द्रीय सरकार, दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का 2) की धारा 290 की उपधारा (2) के खंड (1) के अनुसरण में और भारत सरकार, गृह मंत्रालय की अधिसूचना का. नि. आ. सं. 2164, तारीख 18 नवम्बर, 1953 को उन बातों के सिवाए अधिकांत करते हुए जिन्हें ऐसे अधिक्रमण से पहले किया गया है या करने का लोप किया गया है, कनाडा के ऐसे सभी सक्षम दंड न्यायालयों को, जिनके पास कनाडा में प्रवृत्त विधि के अधीन प्राधिकार हैं, ऐसे न्यायालयों के रूप में विनिर्दिष्ट करती है जिनके द्वारा भारत में निवास कर रहे साक्षियों की परीक्षा के लिए कमीशन जारी किया जा सकेगा।

[फा. सं. 2/1/98-जुडि. सैल]

पी. के. अग्रवाल, संयुक्त सचिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 19th February, 1998

S.O. 140(E).—In pursuance of clause (b) of sub-section (2) of section 290 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (2 of 1974), and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Home Affairs, S.R.O. 2164 dated the 18th November, 1953, except as respects things done or omitted to be done before such supersession, the Central Government hereby specifies all competent Criminal Courts of Canada, having authority under the law in force in Canada as the Courts by whom Commission for examination of witnesses residing in India may be issued.

[F.No. 2/1/98-Judl. Cell]

P.K. AGRAWAL, Jt. Secy.

